तापमान
अधिकतम 32.8°C
न्यूनतम 15.6°C

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार 19 अक्टूबर 2026

9 नागरिक अस्पताल में शुरू होगी स्तन कैंसर की जांच



10 डॉ. अरविंद शर्मा ने रागनी गाकर बांधा समां



खबर संक्षेप

हेरोइन बेचने के आरोप में दो युवक गिरफ्तार

सोनीपत। क्राइम यूनिट कुंडली की पुलिस टीम ने हेरोइन बेचने के मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान कबीरपुर निवासी मनीष उर्फ बादशाह और योगेश के रूप में हुई है। पुलिस ने मनीष के कब्जे से 14.21 ग्राम हेरोइन बरामद की थी। दोनों आरोपितों को न्यायालय के आदेश पर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, 17 अक्टूबर को सहायक उप निरीक्षक सुरेश अपनी टीम के साथ नवीन पब्लिक स्कूल, बाबा कॉलोनी के पास गश्त कर रहे थे। इसी दौरान सूचना मिली कि मनीष हेरोइन लेकर लक्ष्मण कॉलोनी अंडरब्रिज के पास खड़ा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर उसे काबू कर लिया।पूछताछ और जांच के आधार पर उसकी निशानदेही पर दूसरे आरोपित योगेश को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

युवक से मोबाइल और 20 हजार रुपये छीने

गोहाना। शहर में ड्रेन आठ के पास रोहतक की तरफ जाने वाले मार्ग पर दो युवकों ने एक युवक से मोबाइल फोन और 20 हजार रुपये झपट लिए। छीना-झपटी के दौरान युवक की कमीज भी फट गई। पीड़ित की शिकायत पर शहर थाना में मामला दर्ज किया गया है। बिहार के सीतामढ़ी जिले के गांव देमा निवासी विकास ने पुलिस को बताया कि वह फिलहाल गांव फरमाणा स्थित बालाजी गैस सर्विस के गोदाम में रहता है। शनिवार को वह अपने साथी गांव भैंसवाल कलां निवासी संजय के साथ कंपनी की गाड़ी की सर्विस कराने के लिए गोहाना में ड्रेन नंबर आठ के पास बाजार में आया था। शाम को वह लघुशंका के लिए पास में जा रहा था। इसी दौरान रोहतक की तरफ जाने वाले मार्ग पर झाड़ियों से दो युवक अचानक बाहर निकले। एक युवक ने उसके हाथ से मोबाइल फोन झपट लिया, जबकि दूसरे ने कमीज की जेब से 20 हजार रुपये निकाल लिए और फरार हो गए। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

देवीलाल चौक के पास से मोटरसाइकिल चोरी

गन्नौर। देवीलाल चौक स्थित आईसीआईसीआई बैंक के सामने से मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। राजस्थान के झुंझुनूं जिले के खेतड़ी क्षेत्र के गांव लॉयल निवासी मनीष कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी होंडा हॉर्नेट मोटरसाइकिल 14 अक्टूबर को आईसीआईसीआई बैंक, देवीलाल चौक गन्नौर के सामने से चोरी हो गई।

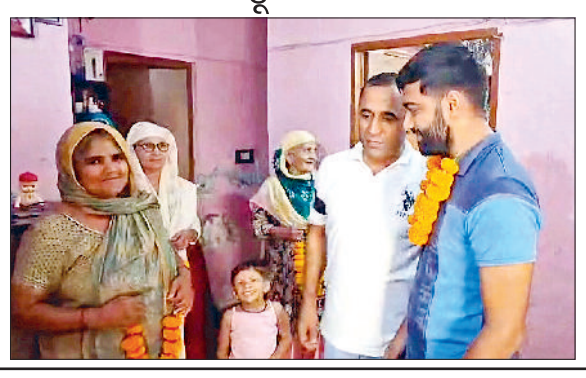
रोजाना सात से आठ घंटे पढ़ाई कर हासिल की सफलता, ईमानदारी से जनता की सेवा करना लक्ष्य

पिता को वर्दी में देख प्रशासनिक सेवा का सपना संजोया, विष्णु ने एचसीएस में पाया 41वां रैंक

■ सलारपुर माजरा में ग्रामीणों ने बांटे लड्डू ■ पिता धर्मवीर सोनीपत पुलिस में हेड कांस्टेबल के पद पर तैनात

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

पिता को पुलिस की वर्दी में जनता की सेवा करते देख बेटे ने भी समाज के लिए कुछ करने का सपना संजोया। इसी प्रेरणा को अपनी ताकत बनाकर गांव सलारपुर माजरा निवासी विष्णु ने हरियाणा सिविल सेवा (एचसीएस) परीक्षा में 41वां रैंक हासिल किया है। उनके पिता धर्मवीर सोनीपत पुलिस में हेड कांस्टेबल के पद पर तैनात हैं। बेटे की इस उपलब्धि से परिवार में खुशी का माहौल है। पुलिस लाइन स्थित आवास पर पहुंचने पर परिजनों और रिश्तेदारों ने फूल-मालाओं से स्वागत किया और मिठाई खिलाकर खुशी मनाई। विष्णु ने बताया कि प्रशासनिक सेवा में जाने की प्रेरणा उन्हें बचपन में ही अपने पिता को कर्तव्य निभाते देखकर मिली। पिता को लोगों की मदद करते और जिम्मेदारी के साथ ड्यूटी निभाते देख उनके मन में भी समाज के लिए कुछ बेहतर करने की इच्छा जागी।



लक्ष्य के प्रति समर्पण जरूरी

विष्णु ने बताया कि एचसीएस परीक्षा की तैयारी के दौरान वह रोजाना सात से आठ घंटे पढ़ाई करते थे। उन्होंने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखते हुए लगातार मेहनत की और चुनौतियों के बावजूद अपनी तैयारी जारी रखी। इस दौरान परिवार का पूरा सहयोग मिला। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय परिवार के प्रोत्साहन, अनुशासन और निरंतर मेहनत को दिया। उनका मानना है कि किसी भी कठिन परीक्षा में सफलता हासिल करने के लिए धैर्य, नियमित अभ्यास और लक्ष्य के प्रति समर्पण जरूरी है। एचसीएस परीक्षा में 41वां रैंक हासिल करने के बाद विष्णु प्रशासनिक सेवा में अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि सेवा में आने के बाद वह पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ काम करना चाहते हैं।

बेटे की उपलब्धि पर पिता को गर्व

विष्णु के पिता धर्मवीर ने बेटे की सफलता पर खुशी जताते हुए कहा कि उसने लक्ष्य हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की है। उसकी मेहनत सफल होने से पूरे परिवार का सिर गर्व से ऊंचा हुआ है। विष्णु की उपलब्धि की जानकारी मिलते ही रिश्तेदारों, परिचितों और शुभचिंतकों ने परिवार को बधाई दी। घर पर मिठाई बांटकर खुशी मनाई गई। उन्होंने कहा कि विष्णु शुरू से ही पढ़ाई में होशियार था और अनुशासन के साथ पढ़ाई के साथ अन्य स्कूल के कार्य करता था।

महापौर के औचक निरीक्षण में खुली पोल, डोर-टू डोर लिए 85 गाड़ियां जरूरी

कूड़ा उठाने वाली 15 गाड़ियां कम मिलीं, मेयर ने ठेकेदार को दिया एक सप्ताह का अल्टीमेटम

पुरानी गाड़ियों की जगह नई और इलेक्ट्रिक गाड़ियां चलाने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

शहर में घर-घर से कूड़ा उठाने की व्यवस्था में सुधार नहीं होने पर नगर निगम के मेयर राजीव जैन ने रविवार को मुरथल रोड स्थित कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों के पार्किंग स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान निर्धारित संख्या के मुकाबले 15 गाड़ियां कम मिलीं। मेयर ने ठेकेदार को एक सप्ताह के भीतर गाड़ियों की संख्या पूरी करने के निर्देश दिए। साथ ही चेतावनी दी कि दोबारा कमी मिलने पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा। गाड़ियों की कमी के कारण गलियों और बाजारों से नियमित कूड़ा उठाने में परेशानी आ रही है और जगह-जगह डंपिंग प्वाइंट बन गए हैं। निरीक्षण के दौरान मेयर ने गाड़ियों की मौजूदा संख्या के साथ पिछला रिकॉर्ड भी जांचा। उन्होंने पाया कि कई गाड़ियां पुरानी और छोटी हैं, जो अक्सर खराब होकर खड़ी हो जाती हैं। इससे कूड़ा उठान प्रभावित होता है। शाम के समय बाजारों में भी पर्याप्त गाड़ियां नहीं पहुंच रही हैं। उन्होंने ठेकेदार को पुरानी गाड़ियों की जगह नई गाड़ियां उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही कंपनी अधिकारियों से धीरे-धीरे पूरे बेड़े को इलेक्ट्रिक गाड़ियों में बदलने को कहा, ताकि कूड़ा उठान व्यवस्था सुचारू हो सके। जेवीएम कंपनी के पुराने ठेकेदार द्वारा निर्धारित 85 गाड़ियों के मुकाबले केवल 50 से 60 गाड़ियां ही चलाई जा रही थीं। इसके बाद कंपनी ने दूसरे ठेकेदार को जिम्मेदारी सौंपी, जिसने 2 अक्टूबर से काम शुरू किया। इसके बावजूद निर्धारित संख्या में गाड़ियां उपलब्ध नहीं हो पाई हैं। मेयर ने स्पष्ट किया कि कूड़ा उठान में लापरवाही सहन नहीं होगी।



सोनीपत। पार्किंग स्थल पर गाड़ियों का निरीक्षण करते हुए मेयर राजीव जैन। फोटो : हरिभूमि

नियमित कूड़ा उठान से खत्म होंगे डंपिंग प्वाइंट

राजीव जैन ने कहा कि पर्याप्त गाड़ियां होने पर ही घर-घर से नियमित कूड़ा उठाया जा सकेगा। इसके बाद सड़कों पर कूड़ा डालने वालों के खिलाफ सख्ती करना भी प्रभावी होगा। उन्होंने शहर के डंपिंग प्वाइंट धीरे-धीरे खत्म करने के निर्देश दिए। साथ ही बाबा धाम के पीछे बने मुख्य डंपिंग स्टेशन को आबादी से दूर स्थानांतरित करने के लिए वैकल्पिक जमीन चिह्नित करने को कहा। इससे शहर में सफाई व्यवस्था बेहतर बनाने और आबादी के आसपास कूड़ा जमा होने की समस्या दूर करने में मदद मिलेगी।

1.39 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास

सोनीपत। विधायक निखिल मदान और मेयर राजीव जैन ने रविवार को शहर के विभिन्न वार्डों में 1 करोड़ 39 लाख रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। वार्ड 17 के कालूपुर गांव में 55 लाख रुपये की लागत से तैयार पार्क का लोकार्पण किया गया। इसमें संसद भवन की प्रतिकृति, फव्वारे, बैठने के लिए बेंच और बच्चों के लिए झूले लगाए गए हैं। वार्ड 7 के रायपुर गांव स्थित सामुदायिक केंद्र में 47 लाख रुपये के विकास कार्य शुरू किए गए। इनमें इंटरलॉकिंग टाइल्स, चारदीवारी, छत तक जाने के लिए सीढ़ियां और ग्रेनाइट से सौंदर्यीकरण शामिल हैं। जोहड़ की तरफ भी चारदीवारी बनाई जाएगी। वार्ड 4 में 37 लाख रुपये की लागत से सेक्टर-15 मार्केट में इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाई जाएंगी। हुड्डा वाटर वर्क्स सड़क पर पार्किंग क्षेत्र की मरम्मत और राजीव कॉलोनी में गली का निर्माण भी किया जाएगा।

चोरी की नीयत से घर में घुसे तीन युवक गिरफ्तार

सोनीपत। गांव फरमाणा में चोरी की नीयत से एक घर में घुसे तीन युवकों में से एक को परिवार ने मौके पर ही पकड़ लिया, जबकि उसके दो साथी फरार हो गए। पकड़े गए युवक से पूछताछ के आधार पर पुलिस ने फरार दोनों युवकों को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने तीनों आरोपितों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।



गांव फरमाणा निवासी रवि ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि रात को वह अपने परिवार के साथ घर में सो रहा था। तड़के करीब साढ़े तीन से चार बजे के बीच उसे घर में कुछ आवाज सुनाई दी। बाहर आकर देखा तो एक युवक छत से कूदकर भागने का प्रयास कर रहा था। छत से कूदने के कारण उसके पैर में मोच आ गई और वह घर के पास मंडी की तरफ गिर गया। इसके बाद रवि ने परिवार के अन्य सदस्यों की मदद से उसे पकड़ लिया। पूछताछ में युवक की पहचान गांव गुहणा निवासी राहुल के रूप में हुई। शिकायत के अनुसार, राहुल ने बताया कि वह गांव गुहणा निवासी अभिषेक और बिहार निवासी विक्की कुमार के साथ घर में घुसा था। परिवार के सदस्यों के जागने पर राहुल पकड़ा गया, जबकि अभिषेक और विक्की मौके से फरार हो गए। तीनों अपनी बाइक वहीं छोड़ गए थे। परिवार ने राहुल को पुलिस के हवाले कर दिया और शिकायत देकर तीनों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। फरमाणा चौकी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अभिषेक और विक्की कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया। चौकी प्रभारी कृष्ण ने बताया कि तीनों आरोपितों को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

घर से 20 तोले सोने के जेवर और 7.50 लाख रुपये चोरी करने का आरोपी काबू

■ बेटों की शादी के लिए रखे थे जेवरात, पुलिस ने तीन दिन के रिमांड पर लिया

सोनीपत। क्राइम यूनिट सेक्टर-27 सोनीपत की टीम ने घर से सोने के जेवरात और नकदी चोरी करने के मामले में गांव भठगांव निवासी विजय को गिरफ्तार किया है। आरोपित को न्यायालय में पेश कर तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस रिमांड के दौरान उससे चोरी के सामान की बरामदगी को लेकर पूछताछ की जाएगी। पुलिस के अनुसार, गांव गढ़ी ब्राह्मणा निवासी विक्रम उर्फ बंटी ने 9 अक्टूबर को थाना शहर सोनीपत में शिकायत दी थी। उसने बताया कि बेटों की शादी के लिए उसने अलमारी में करीब 20 तोले सोने के जेवर रखे हुए थे। इनमें तीन जोड़ी कड़े, दो जोड़ी मंगलसूत्र, छह अंगूठियां और तीन सोने की चेन शामिल थीं। इसके अलावा अलमारी में करीब 7.50 लाख रुपये नकद भी रखे हुए थे। शिकायतकर्ता के अनुसार, 9 अक्टूबर को वह परिवार के साथ दोपहर करीब साढ़े तीन बजे बाजार गया था। शाम करीब 5:15 बजे उसकी पत्नी घर लौटी तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला। घर के अंदर जांच करने पर अलमारी से सोने के जेवरात और नकदी गायब मिली। इसके बाद मामले की शिकायत पुलिस को दी गई।

बहालगढ़ चौक पर साइबर ठगी के प्रति किया जागरूक

सोनीपत। सोनीपत पुलिस की ओर से साइबर अपराधों के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार को बहालगढ़ चौक पर पुलिस टीम ने लोगों को साइबर ठगी के विभिन्न तरीकों और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी। अभियान पुलिस आयुक्त ममता सिंह, आईपीएस, एडीजीपी के मार्गदर्शन में चलाया गया। साइबर थाना पूर्वी जोन सोनीपत में नियुक्त मुख्य सिपाही प्रदीप और सिपाही गुलशन ने लोगों को डिजिटल मंच, सामाजिक माध्यमों और ऑनलाइन सेवाओं का इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि साइबर ठग अलग-अलग तरीकों से लोगों को अपने जाल में फंसाते हैं। ऐसे में किसी अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करना चाहिए और न ही अपनी व्यक्तिगत या बैंकिंग जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा करनी चाहिए।

चोरी की गाड़ियां काटकर स्क्रैप में बेचने के मामले में एक और गिरफ्तार

■ अकबरपुर बारोटा के गोदाम से मिले थे स्विफ्ट डिजायर और फ्रॉन्क्स के कटे हिस्से

सोनीपत। क्राइम यूनिट सेक्टर-3 सोनीपत की टीम ने चोरी की गाड़ियों को काटकर उनके पुर्जे स्क्रैप में बेचने के मामले में दिल्ली निवासी सुनील को गिरफ्तार किया है। आरोपित चंदर विहार, निलोठी, दिल्ली का रहने वाला है। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। रिमांड के दौरान आरोपित से पूछताछ कर मामले से जुड़े अन्य तथ्यों का पता लगाया जाएगा। पुलिस के अनुसार, 6 अक्टूबर को क्राइम यूनिट सेक्टर-3 की टीम ने कुंडली थाना क्षेत्र के गांव अकबरपुर बारोटा स्थित एक गोदाम पर छापा मारा था। कार्रवाई के दौरान वहां चोरी की स्विफ्ट डिजायर और मारुति फ्रॉन्क्स गाड़ियों के कटे हुए हिस्से, इंजन और बड़ी मात्रा में वाहन के पुर्जे बरामद किए गए थे। मौके से गाड़ियां काटने में इस्तेमाल होने वाले औजार, टूल बॉक्स, चाबियां, हथौड़ा और ग्राइंडर-कटर भी मिले थे। इस संबंध में थाना कुंडली में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान क्राइम यूनिट सेक्टर-3 में तैनात मुख्य सिपाही अमित की टीम ने कार्रवाई करते हुए सुनील को गिरफ्तार कर लिया।

आज रावण परिवार की आखिरी रात, कल शहर में 52 फीट के दशानन का होगा दहन

जिलेभर में जलेंगे 300 से ज्यादा पुतले, उत्तर प्रदेश के कारीगरों ने आतिशबाजी से सजाए रावण, कुंभकरण और मेघनाथ

हरिभूमि न्यूज. सोनीपत

जिलेभर में मंगलवार, 20 अक्टूबर को दशहरा पर्व श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इसके लिए रामलीला सभाओं और धार्मिक समितियों की ओर से तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इस बार जिले में सबसे ऊंचा 52 फीट का रावण का पुतला होगा, जबकि कुंभकरण और मेघनाथ के पुतले 45-45 फीट ऊंचे होंगे। जिलेभर में रावण परिवार के 300 से ज्यादा पुतलों का दहन किया जाएगा। पुतलों को तैयार करने में कारीगर पिछले दो महीने से जुटे हुए हैं। इस बार पुतलों की मांग भी अधिक है। सोनीपत शहर में कामी रोड, नई अनाज मंडी, सेक्टर-14, 15 और 23, टीडीआई, एटलस रोड तथा कालूपुर चुंगी सहित कई स्थानों पर रावण के पुतलों का दहन होगा। बड़े पुतले रोहतक और दिल्ली से तैयार करवाए गए हैं, जबकि छोटे पुतले स्थानीय स्तर पर बनाए जा रहे हैं। पुतलों में आतिशबाजी लगाने के लिए उत्तर प्रदेश के बागपत से कारीगर बुलाए गए हैं। कहीं रावण के हाथों में धनुष-बाण और गदा नजर आएगी तो कहीं उसकी आंखें जलती दिखाई देंगी और मुंह से आग निकलेगी। पुतलों का दहन शाम पांच से छह बजे के बीच किया जाएगा। इस बार जिले में रावण, मेघनाथ और कुंभकरण के पुतलों की मांग अधिक है। दिल्ली रोड और महाराणा चौक के पास कारीगर पांच से 50 फीट तक के पुतले तैयार कर रहे हैं। पांच फीट के पुतले करीब तीन हजार रुपये, 40 फीट तक के पुतले करीब 20 हजार और 50 फीट के पुतले करीब 30 हजार रुपये तक में तैयार करवाए जा रहे हैं।

■ पुतलों को तैयार करने में कारीगर पिछले दो महीने से जुटे हुए हैं



सोनीपत। रामलीला मैदान में रखे मेघनाथ और कुंभकरण के मुखौटे।

कामी रोड पर दो मंजिला लंका का होगा दहन

कामी रोड स्थित श्री रामलीला सभा के प्रधान महेंद्र मंगला और गजेंद्र मंगला ने बताया कि रामलीला मैदान में सोमवार रात दो मंजिला लंका दहन का मंचन किया जाएगा। इसके बाद मंगलवार को दशहरे पर 52 फीट ऊंचे रावण और 45-45 फीट ऊंचे कुंभकरण व मेघनाथ के पुतलों का दहन होगा। लंका को रोहतक के कलाकारों ने तैयार किया है, जबकि उत्तर प्रदेश के बागपत से आए कारीगरों ने पुतलों में आतिशबाजी लगाई है। पुतले सोनीपत पहुंच चुके हैं और रामलीला मंचन के बाद उन्हें मैदान में खड़ा किया जाएगा।

रावण दहन से पहले निकलेगी शोभायात्रा

दशहरे पर शहर में विभिन्न रामलीला सभाओं की ओर से शोभायात्राएं निकाली जाएंगी और राम-रावण युद्ध का मंचन किया जाएगा। लोगों के लिए मेलों और झूलों की व्यवस्था भी की जा रही है। श्री सनातन धर्म महावीर दल, फेज बाजार की ओर से सेक्टर-15 स्थित हुडा ग्राउंड में रावण दहन किया जाएगा। इसके लिए हनुमान मंदिर से झांकियों के साथ शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा गीता भवन, कच्चे क्वार्टर, ओल्ड डीसी रोड, मामा-भांजा चौक, हेम नगर, गांधी चौक और सेक्टर-14 मार्केट से होते हुए हुडा ग्राउंड पहुंचेगी।

मुंह से आग उगलेगा रावण, जलती दिखेंगी आंखें

नई अनाज मंडी में हर-हर शिव शक्ति सेवा समिति की ओर से करीब 18 वर्षों से दशहरे पर रावण के पुतले का दहन किया जा रहा है। समिति के चेयरमैन बृजभूषण बंसल, आयोजन प्रबंधक राकेश शर्मा और संजय वर्मा ने बताया कि इस बार यहां 52 फीट ऊंचे रावण का दहन शाम पांच बजे किया जाएगा। इससे पहले झांकियां निकाली जाएंगी और श्रीराम-रावण, मेघनाथ तथा कुंभकरण के युद्ध का मंचन होगा। रोहतक से तैयार होकर आया रावण का पुतला आकर्षण का केंद्र रहेगा।

इंस्टाग्राम विज्ञापन से जाल में फंसाकर 1.50 लाख रुपये ठगे

■ शेयर बाजार में 200 प्रतिशत मुनाफे का दिया झांसा, व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़कर फर्जी मंच पर कराया निवेश

सोनीपत। शेयर बाजार में निवेश कर मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर साइबर ठगों ने मैक्स हाइट्स अपार्टमेंट निवासी अजय से 1.50 लाख रुपये ठग लिए। आरोपितों ने इंस्टाग्राम पर निवेश संबंधी विज्ञापन के जरिए उन्हें अपने जाल में फंसाया और व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़कर बीकन प्लान के नाम पर रकम निवेश करवाई। एप पर एक दिन में करीब 10 प्रतिशत मुनाफा दिखाकर उनका भरोसा जीता गया। पीड़ित की शिकायत पर साइबर क्राइम थाना सोनीपत ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अजय के अनुसार, 10 अक्टूबर को उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर बाजार में निवेश से संबंधित एक विज्ञापन देखा था। उस पर क्लिक करने के बाद उन्हें व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ दिया गया। वहां एक महिला ने उनसे संपर्क किया और खुद को इनारा ग्रुप से जुड़ा बताया। महिला ने बीकन प्लान के तहत निवेश करने पर 200 प्रतिशत तक मुनाफा मिलने का लालच दिया। साथ ही कहा कि लाभ होने पर ही 20 प्रतिशत शुल्क लिया जाएगा। शिकायत के अनुसार, आरोपितों ने अजय को पहले से डीमैट खाता होने के बावजूद अपनी वेबसाइट पर नया खाता खोलने के लिए कहा। दिए गए लिंक के माध्यम से उन्होंने पंजीकरण और केवाईसी की प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद 13 अक्टूबर को 50 हजार रुपये जमा कराए। एप पर एक दिन में करीब 10 प्रतिशत मुनाफा दिखने के कारण उन्हें निवेश पर भरोसा हो गया। इसके बाद 14 अक्टूबर को उन्होंने एक लाख रुपये और जमा कर दिए।दूसरी बार रकम जमा कराने के बाद एप पर नया चैनल पासवर्ड मांगा गया। इस पर अजय को संदेह हुआ। इसके बाद पुलिस में शिकायत दी।

मनुष्य अपूर्ण है इसलिए सत्य का विकास जो उसके द्वारा होता है अपूर्ण होता है। यही विकास का रहस्य है। यदि ऐसा न हो तो ज्ञान की वृद्धि असंभव हो जाय।

- जयशंकर प्रसाद



पहले वर्ष उसकी आंखों में उम्मीद थी, दूसरे वर्ष इंतज़ार, और तीसरे वर्ष तक उम्मीद उसके भीतर कहीं इतनी गहराई में जम चुकी थी कि अब वह दिखाई नहीं देती थी, फिर भी सूखती नहीं थी, ठीक वैसे ही, जैसे बरसात के बाद मिट्टी में बची नमी। सौरव... उसका नाम लेते ही काव्या के भीतर जैसे कोई पुराना दरवाज़ा खुल जाता था।



प्रेम का विसर्जन



कहानी

मनीषा मंजरी

धूप की हल्की सुगंध, घंटियों की आवाज़ और दूर से आती ढाक की थाप... पूरा शहर जैसे मां दुर्गा के आगमन के रंग में डूबा हुआ था। जगह-जगह सजे विशाल मंडपों में रोशनी झिलमिला रही थी और नीले आकाश के नीचे हर ओर भक्ति, उल्लास और उत्सव की छटा बिखरी थी। उसी भीड़ में काव्या मां दुर्गा की प्रतिमा के सामने हाथ जोड़े खड़ी थी। आंखें बंद थीं। पिछले तीन वर्षों से वह इसी तरह यहां आती, प्रतिमा के सामने खड़ी होती, आंखें बंद करती और हर बार एक ही प्रार्थना दोहराती,

"मां... उसे वापस कर दो।"

पहले वर्ष उसकी आंखों में उम्मीद थी, दूसरे वर्ष इंतज़ार, और तीसरे वर्ष तक उम्मीद उसके भीतर कहीं इतनी गहराई में जम चुकी थी कि अब वह दिखाई नहीं देती थी, फिर भी सूखती नहीं थी, ठीक वैसे ही जैसे बरसात के बाद मिट्टी में बची नमी। सौरव... उसका नाम लेते ही काव्या के भीतर जैसे कोई पुराना दरवाज़ा खुल जाता था। उसे आज भी याद था, वह पहली दुर्गा पूजा, जब सौरव ने उसे लाल चूड़ियों का एक छोटा-सा डिब्बा देते हुए कहा था,

"तुम पर लाल रंग अच्छा लगता है।"

काव्या ने चूड़ियां हाथ में लेते हुए मुस्कुराकर पूछा था,

"और अगर मुझे पसंद नहीं आया तो?"

सौरव हंसा था।

"तो अगले साल रंग बदल दूंगा।"

काव्या खिलखिला पड़ी थी। उसे कहां पता था कि कुछ रंग जीवन में इतने गहरे उतर जाते हैं कि वर्षों बाद भी उनसे बाहर निकलना आसान नहीं होता। उनका प्रेम किसी फिल्मी कहानी जैसा नहीं था। वह चाय के छोटे-छोटे कपों, देर रात तक चलने वाली फोन कॉलों, अचानक हुई बारिशों और उन अनगिनत बातों से बना था जिनका कोई विशेष अर्थ नहीं होता, फिर भी जिनके बिना प्रेम अधूरा लगता है। सौरव उसके सपनों को जानता था। काव्या लेखिका बनना चाहती थी, वह अक्सर कहता,

"तुम्हें अपनी किताब लिखनी चाहिए। मैं सबसे पहले पढ़ूंगा।"

काव्या हंसकर कहती,

"पहले तुम मुझे पूरा पढ़ तो लो।"

शायद वह पढ़ रहा था, या शायद दोनों एक-दूसरे को पढ़ते-पढ़ते अपने हिस्से की कहानी कहीं खो बैठे थे। एक शाम सौरव ने कहा,

"काव्या, मैं तुमसे शादी करना चाहता हूं।"

काव्या ने कोई उत्तर नहीं दिया, बस अपना सिर उसके कंधे पर रख दिया। उसे लगा, यही उत्तर काफी है। लेकिन कुछ महीनों बाद सौरव बदलने लगा। फोन कम हो गए, मुलाकातें टलने लगीं, और उसके शब्दों में पहले जैसी सहजता नहीं रही। एक दिन उसने कहा,

"मेरे घर वाले नहीं मानेंगे।"

काव्या कुछ क्षण उसे देखती रही, फिर पूछा,

"और तुम?"

सौरव ने आंखें झुका लीं।

"मैं... कोशिश करूंगा।"

उस दिन काव्या ने पहली बार जाना था कि कुछ रिश्ते "मैं कोशिश करूंगा" और "मैं तुम्हारे साथ हूं" के बीच ही मर जाते हैं। कुछ सप्ताह बाद सौरव ने रिश्ता खत्म कर दिया, न कोई बड़ा झगड़ा हुआ, न कोई आरोप। बस एक शांत-सा वाक्य,

"काव्या, मैं तुमसे प्यार करता हूं... लेकिन मैं अपने परिवार के खिलाफ नहीं जा सकता।"

वह हंसना चाहती थी, रोना चाहती थी। उससे पूछना चाहती थी कि फिर उसके प्रेम का अर्थ क्या था? लेकिन उसने कुछ नहीं पूछा। बस कहा,

"ठीक है।"

उस दिन के बाद उसने सौरव को कभी फोन नहीं किया। लेकिन हर दुर्गा पूजा पर मां से उसे वापस मांगती रही। शायद इंसान कई बार किसी व्यक्ति को नहीं, उस व्यक्ति के साथ देखे हुए अपने भविष्य को वापस मांगता है।

तीन वर्ष बीत गए। काव्या ने नौकरी शुरू कर दी थी। उसने फिर से लिखना शुरू कर दिया था। अपनी किताब का पहला अध्याय भी पूरा कर लिया था। लोग कहते थे, वह आगे बढ़ गई है। उसे भी कभी-कभी ऐसा लगता था। लेकिन दुर्गा पूजा आते ही उसके भीतर जैसे कोई पुराना दरवाज़ा खुल जाता। उस वर्ष जब अष्टमी की रात वह पंडाल पहुंची थी। ढाक की आवाज़ के बीच अचानक उसे लगा जैसे किसी ने उसका नाम पुकारा हो।

"काव्या..."

उसने पलटकर देखा, सामने सौरव खड़ा था। वही आंखें, वही आवाज़, बस चेहरे पर तीन वर्षों की थकान कुछ अधिक साफ दिखाई दे रही थी। काव्या कुछ क्षण उसे देखती रही। यह कोई भ्रम नहीं था, वह सचमुच सौरव था।

"कैसी हो?"

काव्या के होठों पर हल्की-सी मुस्कान आई।

"ठीक हूं।"

सौरव ने उसकी आंखों में देखते हुए कहा,

"मैं तुम्हें बहुत याद करता था।"

तीन वर्ष पहले शायद यह सुनकर काव्या रो पड़ती, आज उसने केवल पूछा,

"अब?"

सौरव कुछ क्षण चुप रहा।

"अब भी।"

ढाक की आवाज़ दोनों के बीच गूंजती रही। सौरव ने बताया कि उसने शादी नहीं की। उसने कई बार काव्या से संपर्क करने के बारे में सोचा था, लेकिन हिम्मत नहीं हुई। उसे अपने निर्णय पर पछतावा था। फिर उसने बहुत धीमे से कहा,

"अगर तुम चाहो... तो हम फिर से शुरू कर सकते हैं।"

काव्या के भीतर जैसे किसी ने वर्षों से बंद संदूक खोल दिया, पहली बारिश, लाल चूड़ियां, चाय की वह छोटी-सी दुकान, उसका कंधा, उसकी आवाज़, और वह लड़की, जो कभी पूरे विश्वास से मानती थी कि प्रेम हर मुश्किल से बड़ा होता है। उसकी आंखें भर आईं, लेकिन इस बार आंसू सौरव के लिए नहीं थे। वे उस लड़की के लिए थे, जिसने कभी अपने प्रेम को बचाने के लिए स्वयं को खो दिया था। काव्या ने धीरे से कहा,

"सौरव, मैंने तुम्हें बहुत प्यार किया था।"

"था?"

काव्या मुस्कुराई।

"नहीं। कुछ प्रेम का समय बीत जाता है, प्रेम नहीं।"

दशमी के दिन वह अकेली विसर्जन देखने गई। मां दुर्गा की प्रतिमा धीरे-धीरे जल में उतर रही थी। ढाक की थाप दूर होती जा रही थी। लाल सिंदूर पानी की लहरों में घुल रहा था। काव्या की मुट्ठी में कुछ था, लाल चूड़ियों का वही पुराना डिब्बा जिसे उसने वर्षों से संभालकर रखा था। उसने डिब्बा खोला, एक पल के लिए उन चूड़ियों को देखा। फिर उन्हें वापस डिब्बे में रखा और अपने पास रख लिया। उन्हें जल में बहाने की जरूरत नहीं थी। कुछ स्मृतियों को नष्ट नहीं किया जाता। बस उनका अधिकार छीन लिया जाता है। मां की प्रतिमा जल में धीरे-धीरे विलीन हो रही थी। काव्या ने हाथ जोड़ दिए। इस बार उसने कुछ नहीं मांगा। ना सौरव, ना बीता हुआ समय, और ना कोई अधूरा भविष्य। बस उसकी आंखों में एक शांत-सी चमक थी। उसे लगा, जैसे उसके भीतर भी कोई पुराना विश्वास धीरे-धीरे विसर्जित हो रहा है, यह विश्वास कि प्रेम को पाने के लिए स्वयं को खो देना पड़ता है। उसने आंखें बंद कर लीं। ढाक की आखिरी थाप हवा में कहीं दूर तक गई, और काव्या ने पहली बार महसूस किया, मां दुर्गा जा नहीं रही थीं। शायद वे पहली बार उसके भीतर रहने आई थीं। उस दिन मां दुर्गा का विसर्जन नहीं हुआ था। बस उसकी प्रार्थना का अर्थ बदलकर उसके भीतर रह गया था।

सौरव उसे देखता रहा।

"तो फिर?"

काव्या ने एक लंबी सांस ली।

"लेकिन मैं उस जीवन में वापस नहीं जा सकती, जहां मुझे अपने होने के लिए किसी और की अनुमति चाहिए।"

"मैं बदल गया हूं।"

"शायद।"

"फिर तुम मुझे एक मौका क्यों नहीं देती?"

काव्या ने सामने मां दुर्गा की प्रतिमा की ओर देखा। मां की आंखों में वही शक्ति थी, जिसके सामने वह पिछले तीन वर्षों से सिर झुकाती आई थी, वह धीरे से बोली,

"क्योंकि मैंने तीन साल तुम्हारे लौटने की प्रार्थना की है।"

सौरव चुप रहा, काव्या की आवाज़ और धीमी हो गई।

"अब डर लगता है... अगर तुम लौट आए, तो कहीं मैं फिर खुद से दूर न हो जाऊं।"

सौरव के पास कोई उत्तर नहीं था, कुछ क्षण दोनों चुप खड़े रहे। फिर काव्या ने कहा,

"तुम मेरे जीवन का बहुत सुंदर हिस्सा थे, सौरव। लेकिन अब मैं अपने जीवन की पूरी कहानी तुम्हारे नाम नहीं कर सकती।"

वह मुड़ी और भीड़ में खो गई। उस रात घर लौटकर उसने अपनी पुरानी डायरी निकाली। पहले पन्ने पर अब भी वही वाक्य लिखा था,

"मां, उसे मेरे पास वापस भेज देना।"

काव्या देर तक उसे देखती रही, फिर उसने कलम उठाई। उस वाक्य के नीचे लिख दिया,

"मां, अगली बार मुझे वही मत देना जो मैंने मांगा है।"

उसकी आंखों से आंसू गिर पड़े। उसने आंखें बंद कीं।

"अगर वह मेरे लिए नहीं है, तो उसे वापस मत भेजना।"

कुछ क्षण वह चुप रही, फिर उसके होंठ कांपे—

"इस बार मुझे, मेरी वह ज़िंदगी वापस देना, जिसे मैंने उसके इंतज़ार में कहीं पीछे छोड़ दिया।"

दशमी के दिन वह अकेली विसर्जन देखने गई। मां दुर्गा की प्रतिमा धीरे-धीरे जल में उतर रही थी। ढाक की थाप दूर होती जा रही थी। लाल सिंदूर पानी की लहरों में घुल रहा था। काव्या की मुट्ठी में कुछ था, लाल चूड़ियों का वही पुराना डिब्बा जिसे उसने वर्षों से संभालकर रखा था। उसने डिब्बा खोला, एक पल के लिए उन चूड़ियों को देखा। फिर उन्हें वापस डिब्बे में रखा और अपने पास रख लिया। उन्हें जल में बहाने की जरूरत नहीं थी। कुछ स्मृतियों को नष्ट नहीं किया जाता। बस उनका अधिकार छीन लिया जाता है। मां की प्रतिमा जल में धीरे-धीरे विलीन हो रही थी। काव्या ने हाथ जोड़ दिए। इस बार उसने कुछ नहीं मांगा। ना सौरव, ना बीता हुआ समय, और ना कोई अधूरा भविष्य। बस उसकी आंखों में एक शांत-सी चमक थी। उसे लगा, जैसे उसके भीतर भी कोई पुराना विश्वास धीरे-धीरे विसर्जित हो रहा है, यह विश्वास कि प्रेम को पाने के लिए स्वयं को खो देना पड़ता है। उसने आंखें बंद कर लीं। ढाक की आखिरी थाप हवा में कहीं दूर तक गई, और काव्या ने पहली बार महसूस किया, मां दुर्गा जा नहीं रही थीं। शायद वे पहली बार उसके भीतर रहने आई थीं। उस दिन मां दुर्गा का विसर्जन नहीं हुआ था। बस उसकी प्रार्थना का अर्थ बदलकर उसके भीतर रह गया था।

कवि कॉर्नर

कविता | नरेंद्र कुमार



दशहरा

आया - आया दशहरे का त्योहार।
रावण , मेघनाथ का करो सिंगार।।

रावण का बड़ा पुतला दस सिर वाला।
लम्बी - लम्बी मूंछें मुंह फिर काला।।

पाखंडी बनके सीता का हरण किया।
हनुमान ने भी ढूंढने का प्रण लिया।।

राम - लक्ष्मण ने लंका में युद्ध किया।
राम ने रावण को दण्ड ख़ुद दिया।।

सौंप के राज विभीषण को लंका का।
तीनों लोक में बजा दिया डंका सा।।

कविता | सपना



इंसान

क्यों हर चेहरे पे मुखौटा है ?
क्यों हर शब्द में बनावट है ?
विचित्र है इंसान,छोड़ अपनी छवि
औरों पे सवाल उठाता है ।

क्यों हर हँसी कृत्रिम है ?
क्यों हर प्रशंसा छलपूर्ण है ?
विचित्र है इंसान,छोड़ अपनी मर्यादा
औरों को व्यवहार सिखाता है ।

क्यों हर भरोसे में विश्वासघात है ?
क्यों हर कर्म स्वार्थपूर्ण है ?
विचित्र है इंसान,छोड़ अपना कर्तव्य
औरों को दायित्व समझाता है ।

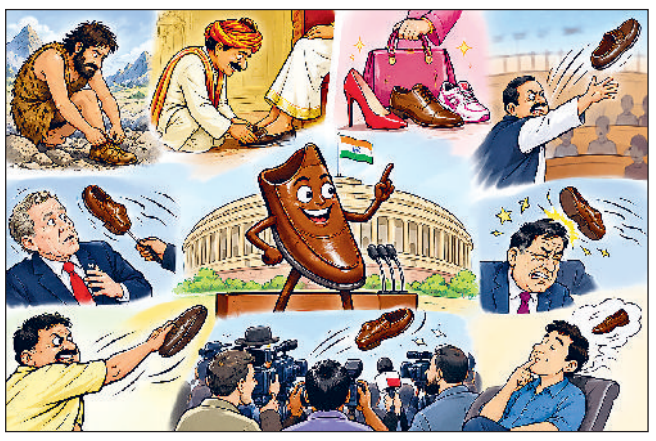
क्यों हर शब्द में अहंकार है ?
क्यों हर कथन में कड़वाहट है ?
विचित्र है इंसान,छोड़ अपना स्वभाव
औरों को नम्रता का पाठ पढ़ाता है ।

क्यों हर व्यवहार में मिथ्या है ?
क्यों हर आचरण में ढोंग है ?
विचित्र है इंसान,छोड़ अपनी वास्तविकता
औरों को यथार्थ दिखाता है ।

हमारे देश में जूतों का बड़ा नाम है...



व्यंग्य | आसिम अनमोल



जूतों का इतिहास बेहद प्राचीन और दिलचस्प रहा है , जो मौसम और पथरीली ज़मीन से पैरों की सुरक्षा करने की ज़रूरत से शुरू होकर आज चारों तरफ़ उछल रहा फैशन का सबसे बड़ा हिस्सा बन चुका है। हमारे देश में जूतों की भी अपनी संस्कृति हुआ करती थी। जूतों को बड़े सम्मान से पैरों में पहना जाता था। जूते हमारे पैरों का विशेष ध्यान रखते थे। आज जूते पैरों से उतरकर हाथों की शोभा बढ़ा रहे हैं। आज हाथों से उछलकर संसद तक अपनी प्रतिष्ठा दिखा रहे हैं। जूते कम समय में इतनी बड़ी पहचान बना लेंगे, यह कल्पना भी नहीं की गई थी। यहां कुछ न चल रहा हो लेकिन जूते ऐसे चल पड़ते हैं, जैसे हमारे देश में मुंह उठाकर महंगाई चल पड़ती है। जूतों ने विगत वर्षों में कई ज़ोरदार आवाज़े उठाई हैं। कहीं व्यवस्था, युद्ध या फैसलों से तंग आकर जूता रूपी आवाज़ उठी है। कहीं अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्लू बुश को एक पत्रकार द्वारा यह कहकर तोहफे में दिए गए हैं कि यह इराक के अनाथों और विधवाओं की तरफ़ से विदाई का चुम्बन है। गौरतलब है कि इसी घटना के बाद से जूता फेंककर विरोध जताने का एक अनोखा चलन शुरू हो गया। अब जूते की भी अपनी एक आवाज़ स्थापित हो गई। जैसे नेता बोलने में माहिर होता है, वैसे ही जूता भी अब खामोश नहीं रहता। उछलकर खुद को स्थापित करता है। जूता उछालना और गुस्से का इज़हार करना अब प्रसांगिक हो गया है। यानी जूता जूता होता है। इसलिए जूते से जूते जैसा काम लिया जाता है। जूता उछालने पर सामने वाले की इज्ज़त भले ही जूते जैसी हो जाए। इससे जूते को कोई ख़ास फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि जूता इंसान नहीं जूता होता है। जूते का काम जुबान बनकर सीधा सवाल करना होता है। अब तो मीडिया को भी इंतज़ार रहता है कि कब प्रेस कॉन्फ्रेंस हो और कब जूता किसी की इज्ज़त पर शेयर मार्केट की तरह उछले और हमें बैठे बिठाए कवरेज हासिल हो जाए। यहां जूते को कोई नज़रअंदाज़ नहीं कर सकता। न ही जूता कोई फ़ालतू चीज़ होता है। जूता जुबान से लेकर हाथों से उछालने या मारने जैसी प्रक्रिया से होकर गुज़रता है। किसी से अनबन हुई तो बंदा तुरंत जूते की फिजिकल फिटनेस का परिचय देते हुए संबोधित करता है कि बेहिसाब पड़ेंगे। अब भले ही पड़े एक भी नहीं। यही तो जूते की सबसे बड़ी विशेषता होती है कि जूता चला भी नहीं और जूते ने अपना काम भी कर दिया। और जहां चला, वहां जूते ने अपना नाम कर दिया। असल में जूते कभी शोरूमों की शोभा एवं पैरों की जीनत हुआ करते थे। दौर बदला तो जूते शोरूमों से बाहर आकर अपनी अहमियत दिखाने लगे। तभी से जूतों ने अपनी ताक़त को पहचानना आरम्भ कर दिया। जिधर देखिए, जूते को फेंककर मारने की परंपरा विकसित होती जा रही है। जूते चलाने में एक सुविधा का जिक्र भी कर दूं कि जुबान थकने से बच जाती है। दिमाग़ की ऊर्जा भी बर्बाद नहीं होती। यानी जूते का काम बड़ा आसान है। इसी लिए हमारे देश में जूते का बड़ा नाम है।

कुछ हटकर

एआई से करियर को दें नई उड़ान

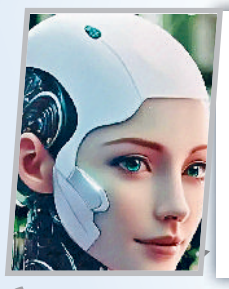
सेंट्रल डेस्क

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल अब केवल तकनीकी कंपनियों तक सीमित नहीं है। शिक्षा, बैंकिंग, मीडिया, डिजिटल विपणन और कारोबार में भी एआई उपकरणों की मदद ली जा रही है। इससे युवाओं के लिए करियर के नए विकल्प सामने आ रहे हैं। एआई सीखने के लिए शुरुआत में महंगी डिग्री जरूरी नहीं, लेकिन बेहतर नौकरी पाने के लिए संबंधित कौशल और व्यावहारिक अनुभव महत्वपूर्ण हैं।

युवा अपनी रुचि और शैक्षणिक योग्यता के अनुसार एआई उपकरणों का उपयोग, डेटा विश्लेषण, प्रोग्रामिंग या मशीन लर्निंग सीख सकते हैं। सरकारी पोर्टल और कई तकनीकी कंपनियां ऑनलाइन प्रशिक्षण के विकल्प उपलब्ध कराती हैं। तकनीकी पदों पर वेतन अधिक हो सकता है, लेकिन कमाई योग्यता, अनुभव और नियोक्ता पर निर्भर करती है। केवल प्रमाणपत्र हासिल करने के बजाय वास्तविक परियोजनाओं पर अभ्यास करना और नौकरी की जरूरतों के अनुसार कौशल विकसित करना जरूरी है।

कौशल जरूरी

युवा अपनी रुचि और शैक्षणिक योग्यता के अनुसार एआई उपकरणों का उपयोग, डेटा विश्लेषण, प्रोग्रामिंग या मशीन लर्निंग सीख सकते हैं। सरकारी पोर्टल और कई तकनीकी कंपनियां ऑनलाइन प्रशिक्षण के विकल्प उपलब्ध कराती हैं। तकनीकी पदों पर वेतन अधिक हो सकता है, लेकिन कमाई योग्यता, अनुभव और नियोक्ता पर निर्भर करती है। केवल प्रमाणपत्र हासिल करने के बजाय वास्तविक परियोजनाओं पर अभ्यास करना और नौकरी की जरूरतों के अनुसार कौशल विकसित करना जरूरी है।



प्रशिक्षण विकल्प

- आईबीएम स्किल्सबिल्डः एआई, डेटा और डिजिटल कौशल के ऑनलाइन पाठ्यक्रम।
- माइक्रोसॉफ्टः एआई की बुनियादी जानकारी और व्यावहारिक उपयोग सीखने के संसाधन।
- कनाइलिटः एआई, मशीन लर्निंग और प्रोग्रामिंग से संबंधित पाठ्यक्रम।

कितनी पढ़ाई जरूरी

- एआई उपकरणों का सामान्य इस्तेमाल सीखने के लिए 10वीं या 12वीं के बाद भी शुरुआत संभव।
- डेटा विश्लेषण के लिए आंकड़ों और कंप्यूटर की बुनियादी जानकारी उपयोगी।
- ड-एआई इंजीनियर या मशीन लर्निंग विशेषज्ञ बनने के लिए प्रोग्रामिंग, गणित और संबंधित तकनीकी ज्ञान जरूरी।
- कुछ तकनीकी पदों पर स्नातक डिग्री या उच्च शैक्षणिक योग्यता मांगी जाती है।

कितनी हो सकती है कमाई

एआई और मशीन लर्निंग से जुड़े कुछ तकनीकी पदों पर शुरुआती वेतन लगभग 4 से 10 लाख रुपये सालाना या अधिक हो सकता है।-डिजिटल सामग्री और एआई उपकरणों से जुड़े शुरुआती कामों में कमाई कम हो सकती है।-स्वतंत्र रूप से काम करने वालों की आय ग्राहकों, परियोजनाओं और काम की गुणवत्ता पर निर्भर करती है।यहां मिलेंगे अवसर-आईटी कंपनियों, बैंकिंग, ई-कॉमर्स और स्वास्थ्य सेवाओं में।-मीडिया, डिजिटल विपणन और शिक्षा क्षेत्र में।-डेटा विश्लेषण, तकनीकी सहायता और एआई आधारित सॉफ्टवेयर विकास में।-नौकरी के लिए आवेदन करने से पहले संबंधित पद की योग्यता और अनुभव की शर्तें देखें।

मोटिवेशनल

हम अक्सर खुशियों को टालते क्यों रहते हैं ?

हम अक्सर सोचते हैं कि जब हमारी नौकरी बेहतर होगी, आय बढ़ जाएगी या सारी मुश्किलें दूर हो जाएंगी, तब हम चैन से खुश हो पाएंगे। इसी 'तब' के इंतजार में वर्तमान का खूबसूरत पल पीछे छूटता चला जाता है। हम छोटी खुशियों को इस बहाने टाल देते हैं कि अभी बहुत कुछ पाना शेष है। और इसी इंतजार में हम आज को जीना भूल जाते हैं। परंतु जीवन कभी भी समस्याओं से पूरी तरह मुक्त नहीं होता। एक समस्या सुलझती है, तो दूसरी खड़ी हो जाती है। फिर खुश होने के लिए किसी विशेष दिन का इंतजार क्यों करना?



डॉ. रोहित बंसल
मोटिवेशनल स्पीकर

कभी-कभी हम खुशी के इंतजार में उस खुशी को ही खो देते हैं, जो हमारे पास पहले से होती है। अचानक मिलने वाली छोटी सी खुशी भी जीवन को सुंदर बना देती है। खुशी कोई पड़ाव नहीं है, बल्कि उन छोटे पलों का अहसास है जिन्हें हम अक्सर अनदेखा कर देते हैं। खुशी के लिए हमेशा बड़ी उपलब्धियों की जरूरत नहीं होती, कभी-कभी मन का सुकून ही सबसे बड़ी खुशी होता है। अतः जीवन को केवल एक बेहतर भविष्य की प्रतीक्षा में नष्ट न करें। जो खुशी आज आपके पास है, उसका आनंद आज ही लें—क्योंकि जीवन इंतजार करने के लिए नहीं, बल्कि जीने के लिए है। इसके लिए हमेशा खुश रहने के निम्न प्रमुख तरीके अपनाएं।

तुलना करना बंद करें: दूसरों से अपनी तुलना करना छोड़ दें और जो कुछ आपके पास है, उसके लिए आभार (कृतज्ञता) व्यक्त करें।

वर्तमान में जिएं: भविष्य की चिंता या बीती हुई बातों के बारे में ज्यादा सोचने के बजाय आज और इस पल में जीना सीखें।

नियमित व्यायाम और नींद: मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए रोजाना कम से कम 7 से 8 घंटे की भरपूर नींद लें और नियमित व्यायाम करें।

संतुलित आहार लें: अपने खान-पान में ताजे फल, हरी सब्जियां और पौष्टिक आहार को शामिल करें।

लघुकथा

सैन्य अनुशासन

सुबह-सुबह कर्नल साहब ने अपनी रौबदार आवाज में पत्नी से कहा —
"जरा स्टोर की चाबी देना, कुछ निकालना है।"
पत्नी ने चाबी तो थमाई, साथ ही हिदायत भी दी —
"काम हो जाए तो ठीक से ताला बंद कर दीजिएगा, कामवाली आने वाली है।"
कर्नल साहब बड़े एहतियात से स्टोर में गए, कुछ ढूँढा, फिर पूरे आत्मविश्वास के साथ ताला लगाया— क्लिक!
चाबी वापस पत्नी को देते हुए बोले, "मिशन पूरा!"
दोपहर को जब पत्नी जी स्टोर में कुछ निकालने पहुंचीं तो नजर पड़ते ही माथा ठनका।
डंडाले के दो छिद्रों में से ताला ऊपर वाले छिद्र में झूल रहा था यानी ताला तो बस दिखावे का पहरा था!
जो चाहे, बिना चाबी के स्टोर खोल ले!



नील मणि
साहित्यकार

स्टोर के दरवाजे पर दो छिद्रों वाला छोटा डंडाला लगा था जिसमें नीचे वाले छिद्र में रोड डालने के बाद डंडाला नीचे दबा ऊपर से ताला लगाते हैं।
पत्नी ने आवाज लगाई -"सुनिए जरा, आपने ताला लगाया था?"
कर्नल साहब ने गर्व से कहा, "हां, बिल्कुल लगाया था! क्यों?"
"जरा खोल दीजिए"
कर्नल साहब मिशन मोड में बड़े आत्मविश्वास के साथ चाबी लेकर स्टोर की ओर कूच कर गए। ताले में चाबी छिद्र में चाबी डालने ही वाले थे कि देखा- ताला तो शोभा की चीज बना हुआ था। डंडाला तो बिना चाबी के ही खुल गया!
क्षणभर के लिए दोनों की निगाहें मिलीं —
अब पत्नी की आंखों में मौन मुस्कान, कर्नल साहब के चेहरे पर झेंपी हुई बहादुरी और शौर्य से उपजा संकोच तैर रहा था।
पत्नी बुदबुदाई —
"सैन्य अनुशासन घर आते-आते पता नहीं कहां छुट्टी पर चला जाता है।"

खबर संक्षेप

रक्षक सेना ने दुर्गा अष्टमी पर किया शस्त्र पूजन

सोनीपत। दुर्गा अष्टमी के पावन पर्व पर रविवार को रक्षक सेना के पदाधिकारियों ने सेना प्रमुख मनजीत तिहाड़ा के नेतृत्व में विधि-विधान से शस्त्र पूजन किया। इस दौरान त्रिशूल, फरसा, गदा और तलवार सहित अन्य शस्त्रों पर तिलक लगाकर और पुष्प अर्पित कर पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद मां शेरावाली और मां महाकाली को 'मां' नाम की चुनरी अर्पित की गई। भगवान महादेव की आरती कर हर-हर महादेव के जयघोष लगाए गए।

जन हित में विकास नहीं करा सकी भाजपा : दीपेंद्र

खरखौदा। कांग्रेस का ब्लॉक स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन खरखौदा में पूर्व सीपीएस जयवीर वाल्मीकि, ब्लॉक अध्यक्ष (ग्रामीण) सुनील दहिया, शहरी अध्यक्ष प्रवीण सैनी द्वारा रविवार को आयोजित किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने शिरकत की। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि भाजपा ने 12 वर्ष के शासनकाल में प्रदेश व देश की कानून व्यवस्था को बर्बाद करने का काम किया है। आज प्रदेश में चारों तरफ कहीं अपराध , कहीं लूटपाट, कहीं डकैती जैसी आपराधिक घटनाएं हो रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री केवल भाजपा के एक मुखौटा बनकर काम कर रहे हैं। प्रदेश में सीएम दूसरे प्रदेशों में हाजिरी ज्यादा दे रहे हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री को प्रदेश में क्या हो रहा है उससे कोई सरोकार नहीं है।

पूर्व डीएसपी रामस्वरूप की सत्रहवीं पर उमड़े लोग

खरखौदा। जीवन के सौ बंसत देख चुके 101 वर्षीय रामस्वरूप जांगड़ा अब इस दुनिया में नहीं रहे। उन्होंने इसी वर्ष जनवरी माह में अपना 101वां जन्म दिवस मनाया था। विगत चार अक्टूबर को उन्होंने अंतिम सांस ली। उनका जन्म 3 जनवरी 1925 को जयलाल के घर गांव सिसाना (तत्कालीन जिला रोहतक) में हुआ। उनका जीवन संघर्ष, सेवा, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा का अनुपम उदाहरण है। रामस्वरूप जांगड़ा ने नवम्बर 1947 में पंजाब पुलिस में सिपाही के रूप में अपनी सेवा यात्रा प्रारंभ की। उन्होंने पुलिस सेवा में विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए निरंतर प्रगति की और वर्ष 1985 में उप पुलिस अधीक्षक के पद से सेवानिवृत्त हुए।

पहलवान सुनील और धाविका किरण सम्मानित

गन्नौर। इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला रविवार को गांव डबरपुर पहुंचे और एशियाई खेलों में ग्रीको-रोमन कुश्ती के 87 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीतने वाले पहलवान सुनील कुमार को सम्मानित किया। सम्मान समारोह में अभय चौटाला ने कहा कि खिलाड़ियों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत कर हरियाणा का नाम रोशन किया है। जल्द ही सिरसा में प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम आयोजित कर एशियाई खेलों में पदक जीतने वाले हरियाणा के सभी खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

नागरिक अस्पताल में शुरू होगी स्तन कैंसर की जांच, मरीजों को मिलेगी सुविधा

जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने का काम अब अंतिम चरण में

चिकित्सकों की मानें, तो हर माह करीब 10 से 25 मरीजों में अलग-अलग कैंसर की होती है पुष्टि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत



सोनीपत। दिल्ली रोड स्थित नागरिक अस्पताल। फोटो : हरिभूमि

स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिले के नागरिक अस्पताल में मरीजों के लिए जल्द स्तन कैंसर की जांच की सुविधा उपलब्ध करवाने की योजना तैयार की गई है। जांच सुविधा के लिए मैमोग्राफी मशीन लगाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। बता दें कि मैमोग्राफी स्तन की जांच की एक विशेष एक्सरे तकनीक है, जिसका उपयोग स्तन कैंसर के संकेतों की पहचान के लिए किया जाता है। अस्पताल में यह सुविधा शुरू होने के बाद महिलाओं को जांच के लिए सरकारी स्तर पर बेहतर पहुंच मिलेगी। इससे मरीजों को निजी अस्पतालों का रुख नहीं करना पड़ेगा। साथ ही आर्थिक बोझ नहीं झेलना पड़ेगा।

बता दें कि अस्पताल परिसर में रेडियोलॉजी विभाग के साथ मैमोग्राफी मशीन के लिए कक्ष व जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने का काम अब अंतिम चरण में है। सुविधा शुरू होने से महिलाओं को स्तन में गांठ या अन्य असामान्य बदलाव की जांच के लिए निजी केंद्रों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इससे बीमारी की समय पर पहचान में भी मदद मिलेगी। नागरिक अस्पताल में आमतौर पर रोजाना करीब 2000 लोग अपना उपचार करवाने पहुंचते हैं। चिकित्सकों की मानें, तो हर माह करीब 10 से 25 मरीजों में अलग-अलग कैंसर की पुष्टि होती है। इनमें स्तन व मुंह के कैंसर के मरीजों की संख्या अधिक आंकी गई है। वर्तमान में कैंसर की पुष्टि होने के बाद मरीजों को आगे के उपचार के लिए रोहतक स्थित पीजीआई रेफर किया जाता है। इस बीच सोनीपत के नागरिक अस्पताल में मैमोग्राफी सुविधा शुरू होने से स्तन कैंसर की जांच के लिए स्थानीय स्तर पर बेहतर विकल्प उपलब्ध होगा। मरीजों को रोहतक पीजीआई या निजी अस्पताल पर निर्भर नहीं होना पड़ेगा।

प्रदेश में 11 मशीनों की खरीद को मंजूरी

हरियाणा मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड के माध्यम से राज्य स्वास्थ्य खरीद एवं क्रय समिति की ओर से कुल 11 फुल-फील्ड डिजिटल मैमोग्राफी मशीनों की खरीद को मंजूरी दी है। विशेषज्ञों की मानें, तो प्रत्येक मशीन की कीमत करीब 1.18 करोड़ रुपये बताई गई है। अब तक नागरिक अस्पताल में मैमोग्राफी मशीन की सुविधा नहीं होने से मरीजों को रोहतक पीजीआई दौड़ लगानी पड़ती थी। अन्यथा भारी आर्थिक खर्च उठाकर निजी अस्पतालों में जांच करवाने के साथ उपचार पर भी जेबें ढीली करनी पड़ती थी, लेकिन जल्द ही नागरिक अस्पताल में स्वास्थ्य सेवा विस्तार होने से जिलावासियों को यहीं उपचार मिल सकेगा। मैमोग्राफी सुविधा शुरू होने से स्तन कैंसर की जांच के लिए स्थानीय स्तर पर महिलाओं को विकल्प मिलेगा। उन्हें जांच के लिए दूसरे अस्पतालों के चक्कर लगाने से राहत भी मिलेगी।

मरीजों को रोहतक पीजीआई रेफर नहीं करना पड़ेगा

नागरिक अस्पताल में जल्द ही स्तन कैंसर की जांच सुविधा शुरू करवाने के प्रयास किए जा रहे है। अस्पताल में रेडियोलॉजी विभाग के साथ मैमोग्राफी मशीन के लिए कक्ष व जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने का काम जारी है। सेवाएं प्रारंभ होने के बाद मरीजों को रोहतक पीजीआई रेफर नहीं करना पड़ेगा या जांच के लिए दूसरे अस्पतालों में नहीं जाना पड़ेगा। उन्हें स्थानीय स्तर पर भी जांच व उपचार की सुविधा मिल सकेगी।

-डॉ. अलंकृता गेरा, सिविल सर्जन, सोनीपत

न्यूज डायरी



श्याम सेवक परिवार ने 15 बेटियों का करवाया विवाह

सोनीपत। श्री श्याम सेवक परिवार (रजि.), सोनीपत की ओर से रविवार को मुरथल रोड स्थित गीतांजलि गार्डन में पांचवें सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। श्री खाटू श्याम जी और श्री बालाजी महाराज के आशीर्वाद तथा समाज के सहयोग से आयोजित समारोह में 15 बेटियों का विवाह करवाया गया। संस्था ने सभी नवविवाहित जोड़ों को गृहस्थी का सामान भी भेंट किया, ताकि वे विवाह के बाद अपना जीवन बेहतर ढंग से शुरू कर सकें। कार्यक्रम में गन्नौर विधायक देवेंद्र कादियान भी पहुंचें और नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। आयोजन का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के विवाह में सहयोग करना और समाज में सेवा, सद्भाव, सहयोग तथा सामाजिक समरसता की भावना को मजबूत करना रहा। संस्था ने कहा कि बेटियों को सम्मान के साथ नए जीवन की शुरुआत का अवसर देना सामूहिक जिम्मेदारी है। ऐसे आयोजन जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक सहारा देने के साथ समाज में आपसी सहयोग की भावना भी बढ़ाते हैं।



रक्तदान से बचाई जा सकती है जानः देवेंद्र कौशिक

गन्नौर। बेगा युवा वेलफेयर सोसाइटी और जनहित अभियान फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में बेगा रोड स्थित जनता लैब में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर का शुभारंभ भाजपा नेता देवेंद्र कौशिक ने किया। शिविर में 70 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया।समाजसेवी सोमबीर शास्त्री ने 60वीं बार रक्तदान कर युवाओं को प्रेरित किया। भाजपा नेता देवेंद्र कौशिक ने कहा कि रक्तदान से जरूरतमंद की जान बचाई जा सकती है। प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को वर्ष में कम से कम एक बार रक्तदान करना चाहिए। इस अवसर पर अभियान फाउंडेशन के अध्यक्ष नरेंद्र हुड्डा, महेंद्र छिक्कारा, पूर्ण सिंह, जस्सा पंडित, राकेश, सतीश, बिंटू शर्मा, दीपक बेगा और सुरेश भूटानी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।



जटौला में कामरेड सुरेश को दी श्रद्धांजलि

खरखौदा। कामरेड सुरेश को श्रद्धांजलि देने के लिए जटौला में सभा का आयोजन किया गया। जिसकी की अध्यक्षता दयानंद ने की तथा मंच का संचालन आल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष कॉमरेड हंसराज राणा ने किया। सभा में मुख्य वक्ता के रूप में एसकेएम नेता एवं एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) के राज्य कमेटी सदस्य ईश्वर सिंह राठी उपस्थित रहे। इसके अलावा अपने विचार रखते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) के सोनीपत जिला सचिव एवं हरियाणा प्रदेश कमेटी सदस्य इंद्र सिंह, विकेश दहिया, डॉ शमशेर सिंह, जटौला खाप प्रधान सतीश राणा, अधिवक्ता सुमित दहिया, किसान खेत मजदूर संगठन के राज्य कमेटी सदस्य देवेंद्र सहित अनेक वक्ताओं ने अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि कॉमरेड सुरेश के चले जाने से देश-प्रदेश के जन आंदोलन को भारी क्षति हुई है, जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती। उनकी कमी को उनके विचारों, उनके मार्गदर्शन एवं जन आंदोलन को आगे बढ़ाकर ही पूरा किया जा सकता है। सभा में कॉमरेड सुरेश अमर रहें, कॉमरेड सुरेश लाल सलाम, इंकलाब जिंदाबाद जैसे नारों के बीच पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। जिसमें अनेक जन संगठनों के पदाधिकारी में शामिल रहे।

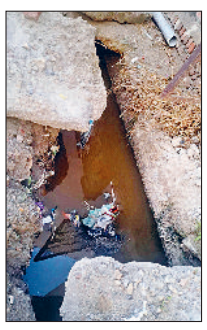
सभा में सर्वसम्मति से अपील की गई कि आगामी 26 अक्टूबर को नंदल भवन, बोहर (रोहतक) में होने वाली किसान-मजदूर-महिला-छात्र-नौजवान महापंचायत में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचे।



शिव महापुराण कथा एवं 21 हवन कुंडों का आयोजन

खरखौदा। गांव थाना कलां स्थित लगभग 900 वर्ष पुराने ऐतिहासिक प्राचीन शिव मंदिर में शिव तपस्वी, शिव योगी योगिता गिरी महाराज के सानिध्य में शिव महापुराण कथा एवं 21 हवन यज्ञ कुंडों का भव्य धार्मिक आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन को लेकर क्षेत्र के श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और आस्था का माहौल बना हुआ है। शिव महापुराण कथा के माध्यम से श्रद्धालुओं को भगवान भोलेनाथ की महिमा, उनकी लीलाओं तथा धर्म, सत्य, सेवा और सदाचार के महत्व से अवगत कराया जा रहा है। वहीं, 21 हवन यज्ञ कुंडों में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आहुतियां अर्पित कर विश्व कल्याण, सुख-शांति, समृद्धि और जनकल्याण की कामना की जा रही है। शिव तपस्वी शिव योगी योगिता गिरी महाराज के सानिध्य में आयोजित यह धार्मिक अनुष्ठान श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा, भक्ति और आत्मिक शांति का विशेष अवसर है। मंदिर परिसर में भगवान शिव की भक्ति और जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। गांव थाना कलां का प्राचीन शिव मंदिर धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। ऐसे धार्मिक आयोजन न केवल हमारी प्राचीन परंपराओं को जीवंत रखते हैं, बल्कि युवा पीढ़ी को भी धर्म, संस्कार और भारतीय संस्कृति से जोड़ने का कार्य करते हैं। इस आयोजन के माध्यम से समस्त क्षेत्र की सुख-समृद्धि, आपसी भाईचारे, सामाजिक सद्भाव और मानव कल्याण का संदेश दिया जा रहा है। श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के चरणों में नमन कर क्षेत्र की खुशहाली और सभी के मंगलमय जीवन की कामना कर रहे हैं।

खुला नाला दे रहा हादसे को बुलावा



गन्नौर। श्रीकृष्ण प्रणामी गौशाला चौक पर जनस्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के कारण गहरा नाला खुला पड़ा है, लोगों का आरोप है कि जन स्वास्थ्य विभाग किसी हादसे के इंतजार में है । विभाग की लापरवाही लोगों की सुरक्षा को लेकर भारी पड़ सकती है। गौशाला समिति के पदाधिकारी सतपाल शर्मा ने बताया कि यहां करीब छह फुट गहरा नाला पिछले लगभग दो महीने से खुला पड़ा है। इतना ही नहीं, नाले पर बनी पुलिया भी तोड़कर खुली छोड़ दी गई है। इसके बावजूद विभाग की ओर से इसे ठीक करवाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। रास्ते से प्रतिदिन स्कूल जाने वाले छोटे-छोटे हजारों बच्चे गुजरते हैं। ऐसे में खुला नाला और टूटी पुलिया किसी बड़े हादसे को न्योता दे रहे हैं। यदि कोई बच्चा या राहगीर इसमें गिरकर घायल हो जाता है, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? हाल ही शाहपुर गांव में भरे गड्ढे में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत की दुखद घटना सामने आई है। इसके बावजूद संबंधित विभाग ने इस गंभीर समस्या से सबक नहीं लिया है। लोगों का कहना है कि क्या विभाग किसी बड़े हादसे के बाद ही जागेगा? लोगों ने जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से अपील की है कि वे मौके का निरीक्षण करें और तुरंत नाले को ढकवाने तथा पुलिया की मरम्मत करवाने की व्यवस्था करें।



अग्रवाल समाज राजनीति में आगे आकर दे योगदान

राई। सेवानिवृत जज सुधीर अग्रवाल ने अग्रवाल समाज से एकजुट होकर राजनीति और सामाजिक क्षेत्र में अपनी सक्रिय भागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अग्रवाल समाज का विभिन्न क्षेत्रों में इस्तेमाल होता रहा है। अब समय आ गया है कि समाज एकजुट होकर अपनी ताकत और प्रभाव बढ़ाए। कार्यक्रम में धाम के प्रधान राजेंद्र अग्रवाल और उपाध्यक्ष अतुल सिंघल मौजूद रहे। अतुल सिंघल ने कहा कि धाम आध्यात्मिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा। प्रधान राजेंद्र अग्रवाल ने घोषणा की कि परिसर में जल्द ही माता महालक्ष्मी की अष्टधातु की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इस अवसर पर सुरेश गर्ग, बालकिशन अग्रवाल, वीरेंद्र बंसल, अनिल गोयल, राजेश गोयल, दीपक मंगला और टीका राम मित्तल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

प्रयास इंटरनेशनल में डांडिया कार्यक्रम सांस्कृतिक प्रस्तुतियों पर झूमे प्रतिभागी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर



गन्नौर। विधायक देवेंद्र कादियान डांडिया नाइट में महिलाओं को सम्मानित करते ।

प्रयास इंटरनेशनल स्कूल में नवरात्र के उपलक्ष्य में डांडिया इवनिंग रंग रास एंड सेलिब्रेशन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक देवेंद्र कादियान ने मां दुर्गा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। स्कूली बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, वहीं महिलाओं ने रैंप वाक कर अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। डांडिया की धुनों पर प्रतिभागी जमकर झूमे। सबसे लंबी चोटी रखने और सबसे अधिक अंगूठियां पहनने वाली महिलाओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। विधायक देवेंद्र कादियान ने कहा कि नवरात्र आस्था, संस्कृति और परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के साथ बच्चों और महिलाओं को प्रतिभा दिखाने का मंच देते हैं। विद्यालय के प्रबंध निदेशक अमित बत्रा, सुनैना जैन, रुचिका बत्रा, प्राचार्य सुरेंद्र छाबड़ा और उपप्रधानाचार्य दीपमाला ने अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट किए।

अंतरराष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में रजत पदक जीतने पर नितिन तुसीर का भव्य स्वागत

- नितिन की उपलब्धि पूरे गांव के लिए गर्व की बात : कुलदीप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई



राई। पूर्व चेयरमैन कुलदीप नांगल अपने भतीजे विजेता नितिन तुसीर का नोटों की माला पहनकर स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रजत पदक जीतकर गांव का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ी नितिन तुसीर और उनके कोच रिंकू डागर का गांव नांगल कलां पहुंचने पर ग्रामीणों ने भव्य स्वागत किया। पूर्व चेयरमैन कुलदीप नांगल ने कहा कि नितिन की उपलब्धि पूरे गांव के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाएं मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के दम पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बना रही हैं। नितिन ने रजत पदक जीतकर युवाओं को खेलों में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी है। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। नितिन तुसीर। पूर्व चेयरमैन कुलदीप नांगल के भतीजे हैं। नितिन तुसीर ने तुर्किये के इस्तांबुल में आयोजित कनिष्ठ एशियाई बेंच प्रेस पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में 105 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक हासिल किया। उनकी इस सफलता में कोच रिंकू डागर का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

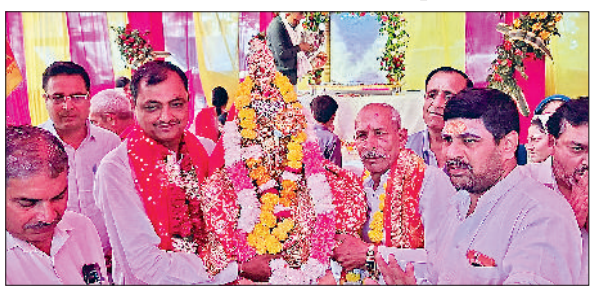


मां महागौरी के पूजन में उमड़ा आस्था का सैलाब

सोनीपत। सिद्धपीठ श्री चंडी मां महाकाली प्राचीन मंदिर, कामी रोड में रविवार को नवरात्र उत्सव की अष्टमी तिथि पर श्रद्धा एवं भक्तिभाव से मां महागौरी का पूजन कर अष्टमी की कढ़ाई का आयोजन किया गया। मंदिर में प्रातःकाल श्रद्धालुओं ने माता रानी के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना कर आरती में भाग लिया और परिवार व समाज की सुख-समृद्धि एवं सर्वकल्याण की कामना की। अतिथि के रूप में मेयर राजीव जैन, महाबीर प्रसाद मित्तल, बलविंद्र नागपाल ने महागौरी का विधिवत पूजन किया। तत्पश्चात महामाई की आरती कर कन्या पूजन कर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। मंदिर के प्रधान सेवक देवेंद्र कुच्छल ने बताया कि मां महागौरी की आराधना मन की पवित्रता, शांति व करुणा का संदेश देती है। कन्या पूजन बालिकाओं में देवी स्वरूप का सम्मान करने के साथ उनकी सुरक्षा, शिक्षा व स्नेहपूर्ण पालन-पोषण के प्रति अपने दायित्व निभाने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर श्रीभगवान, प्रवीण कुच्छल, जवाहर बत्रा, राकेश गर्ग, बिजेंद्र, कपिल गोयल, नरेंद्र सिंह, सचिन कुच्छल, अमित कुच्छल, महताब खत्री, प्रवीण गर्ग, नरेश शर्मा, श्रीपाल, विपिन कुच्छल, सुजेश, राजेंद्र टानू सहित काफी मौजूद रहे।

शारदीय नवरात्र उत्सव : महाआरती के बाद अपने भवन में लौटी चिटाने वाली माता

उमड़ी आस्थाः माता रानी को रथ पर सवार बैंड-बाजे और ढोल-नगाड़ों के साथ मंदिर में लाया गया



सोनीपत। रामलीला मैदान में माता रानी को मेला स्थल से रथ पर लाते श्रद्धालु।



सोनीपत। रामलीला मैदान में सुबह माता रानी की महाआरती करते श्रद्धालु।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

शारदीय नवरात्र उत्सव की अष्टमी तिथि पर मां दुर्गा के आठवें स्वरूप महागौरी की पूजा-अर्चना कर कजकों को को भोजन कराया गया। मंदिरों व घरों में श्रद्धालुओं ने कंजकों को भोजन कराकर मां महागौरी से सुख-समृद्धि, धन-धान्य व वैभव की कामना की। श्रद्धालुओं ने सुबह कंजकों के पैर धोकर उन्हें आसन ग्रहण करवाया। इसके बाद कंजकों को तिलक लगाकर उनका स्वागत किया। भोजन उपरांत सभी कंजकों को श्रद्धा अनुसार उपहार दिए गए। हालांकि इस बार नवरात्र की अष्टमी तिथि 18 अक्तूबर सुबह 8:27 बजे से प्रारंभ होकर 19 अक्तूबर सुबह 10:51 बजे तक रहेगी। ऐसे में काफी श्रद्धालु सोमवार को अष्टमी व नवमी मनाकर कन्या पूजन के साथ नवरात्र उत्सव संपन्न करेंगे। श्री देवी चिटाना वाली माता मंदिर समिति की ओर से कामी रोड स्थित रामलीला मैदान में लगाया गया सप्तमी मेला रविवार सुबह 10 बजे महाआरती के साथ संपन्न किया गया। सुबह मेले के समापन पर रामलीला मैदान से बैंड-बाजों व ढोल-नगाड़ों के साथ रथयात्रा निकाली गई। माता रानी को रथ पर विराजमान कर नगर परिक्रमा के बाद पुराना बाजार स्थित सिद्धपीठ श्री चिटाने वाली माता मंदिर में लाया गया। यहां उन्हें भवन में पुनः विराजमान किया गया। श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ माता रानी का स्वागत कर पूजा-अर्चना की। शहर के विभिन्न मार्गों पर श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा के साथ माता रानी की रथयात्रा का स्वागत किया। हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चेयरमैन मोहनलाल बड़ौली ने धर्मपत्नी गीता कौशिक के साथ मुरथल चौक पर माता रानी की आरती कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मंदिर समिति के प्रधान महेश गोयल आदि रहे।



श्रीराम का जीवन आदर्शों की मिसाल : डॉ. अरविंद

गोहाना। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन मर्यादा, त्याग, समर्पण और आदर्शों की अनुपम मिसाल है। रामलीला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी भावी पीढ़ियों को संस्कारों, नैतिक मूल्यों और भारतीय संस्कृति से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। वह रविवार को अपनी पत्नी डॉ. रीटा शर्मा के साथ शहर में विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शिरकत करने पहुंचे थे। मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा और उनकी पत्नी डॉ. रीटा शर्मा ने पुरानी अनाज मंडी में आयोजित भव्य रामलीला एवं दशहरा उत्सव, मेन बाजार में सजे माता के विशाल दरबार तथा श्री सनातन धर्म मंदिर में आयोजित रामलीला उत्सव में पहुंचकर पूजा-अर्चना की और भगवान श्रीराम एवं मां भगवती का आशीर्वाद लिया। मंत्री ने कहा कि भगवान श्रीराम ने अपने जीवन से समाज को सत्य, धर्म और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। आज आवश्यकता है कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को नई पहचान मिल रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार भी प्रदेश की धार्मिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा और डॉ. रीटा शर्मा ने मेन बाजार में माता के दरबार में अखंड ज्योत के दर्शन किए तथा मां भगवती के चरणों में शीश नवाकर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। डॉ. शर्मा ने कहा कि हमारी संस्कृति हमारे जीवन का मूल है और यही हमारी विरासत है। अपने सांस्कृतिक मूल्यों को सहेज कर रखना हम सबका सामूहिक दायित्व है।

खबर संक्षेप



समाज कल्याण संगठन की टीम ने 31 पौधे रोपे

गोहाना। समाज कल्याण संगठन द्वारा रविवार को ग्रीन सिटी अभियान के तहत महम रोड पर पौधारोपण अभियान चलाया गया। रोड के साथ फुटपाथ व डिवाइडर पर पापड़ी, नीम, जामुन एवं जंगली जलेबी के 31 पौधे रोपे गए। पहले लगाए गए तीन पौधे सूखे मिले, जिनको हटाकर नए लगाए गए। इस क्षेत्र में पहले लगाए गए पौधों की निराई करके खरपतवार को साफ किया।

हनुमान जी के पराक्रम की कथा सुनाई



सोनीपत। श्री राम परिवार, सोनीपत की ओर से दशहरे के पावन पर्व पर 4 मरला स्थित श्री बालाजी सेवा समिति में सुंदरकांड पाठ, हरिनाम संकीर्तन एवं रामकथा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्री ओमप्रकाश अरोड़ा ने सुंदरकांड के प्रसंगों का वर्णन करते हुए हनुमान जी द्वारा रावण के सबसे छोटे पुत्र अक्षय कुमार के वध की कथा सुनाई।

वृंदावन के कलाकारों ने जीवंत किया बाली वध और सीता अन्वेषण का प्रसंग

बाली वध के बाद लंका दहन का मंचन जय श्रीराम के जयकारों से गूंजा मैदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

श्री रामलीला सभा और श्री ठाकुरद्वारा पंचायती मंदिर सेवा समिति की ओर से कामी रोड स्थित रामलीला मैदान में आयोजित रामलीला के आठवें दिन रविवार को बाली वध, सीता अन्वेषण और लंका दहन के प्रसंगों का मंचन किया गया। वृंदावन से आए कलाकारों ने अपने प्रभावशाली अभिनय से रामायण के प्रसंगों को जीवंत कर दिया। लंका दहन के दृश्य पर दर्शकों ने जय श्रीराम के जयकारे लगाए। मुख्य अतिथि के रूप में विनोद गुप्ता, देवेंद्र कुच्छल, सुरेश गुप्ता, सुमित माथुर, उमंग गर्ग ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरिप्रकाश मंगला, मंच संचालन गजेंद्र सलूजा ने किया।

रामलीला का मंचन वृंदावन से आए कलाकारों ने आचार्य सौरभ द्विवेदी, टीवी फेम स्वामी शिवदयाल शर्मा और स्वामी गिरिराज प्रसाद शर्मा के मार्गदर्शन में किया। मंचन में दर्शाया गया कि माता सीता की खोज में वन में भटक रहे श्रीराम और लक्ष्मण की मुलाकात हनुमान जी से होती है। हनुमान जी दोनों भाइयों को अपने कंधों पर बैठाकर सुग्रीव के पास ले जाते हैं। यहां अग्नि को साक्षी मानकर श्रीराम और सुग्रीव मित्रता निभाने का वचन देते हैं। इसके बाद सुग्रीव श्रीराम को अपने भाई बाली के अत्याचारों के बारे में बताते हैं। श्रीराम के कहने पर सुग्रीव बाली को युद्ध के लिए ललकारते हैं। दोनों भाइयों के बीच भीषण युद्ध होता है। इस दौरान श्रीराम बाली का वध कर देते हैं। इसके बाद सुग्रीव माता सीता की खोज के लिए हनुमान जी को लंका भेजते हैं। रावण के आदेश पर हनुमान जी की पूंछ में आग लगा दी जाती है। इसके बाद हनुमान जी जलती पूंछ से पूरी लंका में आग लगा देते हैं। लंका दहन के दृश्य ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। इस अवसर पर महेंद्र मंगला, राजकुमार गोयल, पंडित अमित शौनक, प्रवीण गोयल, अमित कुच्छल, महेंद्र वर्मा, राहुल अग्रवाल, अनिल जैन सहित संस्थाओं के सदस्य मौजूद रहे।



सोनीपत। मंचन के दौरान बाली को युद्ध के लिए ललकारते सुग्रीव।

दशमी तिथि दो दिन, 20 की शाम को होगा रावण दहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

दशहरा सनातन धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक है। विजयादशमी का पर्व बुराई पर अच्छाई और अधर्म पर धर्म की जीत का प्रतीक माना जाता है। इस वर्ष दशमी तिथि दो दिनों तक रहने के कारण दशहरा पर्व मनाने को लेकर लोगों में असमंजस की स्थिति है। आचार्य डॉ. मनमोहन मिश्रा ने बताया कि इस वर्ष आश्विन शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 20 अक्तूबर मंगलवार को दोपहर 12:50 बजे से प्रारंभ होकर 21 अक्तूबर दोपहर 2:11 बजे तक रहेगी। उदयातिथि के आधार पर 21 अक्तूबर को दशहरा पर्व मनाने की बात सामने आती है, लेकिन विजयादशमी पर विजय मुहूर्त और प्रदोष काल का भी विशेष महत्व है। ऐसे में 20 अक्तूबर की शाम को ही रावण दहन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दशहरे पर प्रदोष काल में रावण दहन करना शुभ माना जाता है। 20 अक्तूबर को शाम 5:47 बजे से प्रदोष काल शुरू होगा। इसी दिन निशिता मुहूर्त रात 11:41 बजे से 21 अक्तूबर की रात 12:31 बजे तक रहेगा। मान्यता है कि इसी दिन भगवान श्रीराम ने रावण का वध कर बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया था। यही कारण है कि दशहरा पर्व के दिन रावण, कुंभकरण व मेघनाद के पुतलों का दहन किया जाता है। यह पर्व शारदीय नवरात्र उत्सव के समापन का भी प्रतीक है।



डॉ. मनमोहन मिश्रा।

■ आश्विन शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 20 अक्तूबर दोपहर 12 :50 बजे से प्रारंभ होकर 21 अक्तूबर दोपहर 2 :11 बजे तक रहेगी

न्यूज डायरी

नृत्य व गायन स्पर्धाओं में बिखेरा जलवा

गोहाना। 19वीं राष्ट्रीय अंतर विद्यालय समूह नृत्य प्रतियोगिता में ओम पब्लिक स्कूल (ओपीएस) विजेता जबकि समूहगान में उप विजेता बना।



इस उपलब्धि के साथ स्कूल की टीमों ने नकद पुरस्कार के साथ ट्रॉफी जीती। विजेता टीमों को स्कूल की एमडी निर्मल लाठर और प्राचार्य डॉ. मनजीत खासा ने समारोहपूर्वक सम्मानित किया। समारोह का संचालन उप प्राचार्या रेखा बजाज ने किया। पसमूह नृत्य में अनुष्का, शावी, सम्पन्न, मानवी, प्रीत, गीताली, सीमर, विदुषी व पावी की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त करके 11 हजार रुपये नकद पुरस्कार व ट्रॉफी अपने नाम कर ली। समूहगान में प्रिंसी, पूर्वा, संजना, एंजल, नव्या, गीतांजली व श्रेया की टीम ने बेहतरीन प्रस्तुति के साथ दूसरा स्थान प्राप्त करते हुए 3100 रुपये का नगद पुरस्कार प्राप्त किया। समारोह में शिक्षक अजय, विजय, पूनम, मालती व किरन खुराना ने विजेता विद्यार्थियों को अपना आशीर्वाद दिया।

हिंदू स्कूल में मनाया डांडिया उत्सव

गन्नौर। हिंदू सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गढ़ी केसरी में नर्सरी से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए डांडिया उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगे परिधानों में आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया।



डांडिया की मधुर धुनों पर बच्चों ने उत्साह और उमंग के साथ भागीदारी की, जिससे विद्यालय का वातावरण उत्सवमय हो गया। विद्यालय की डायरेक्टर नीलम आंतिल और प्रिंसिपल कृष्ण आंतिल ने कार्यक्रम का मार्गदर्शन किया। विद्यालय के सभी स्टाफ सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। डायरेक्टर नीलम आंतिल और प्रिंसिपल कृष्ण आंतिल ने विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा स्टाफ सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन बच्चों के सर्वांगीण

रामलीला में गूंजा राष्ट्र गौरव का संदेश

गन्नौर। गन्नौर रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित रामलीला में हरियाणा सरकार के सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चेयरमैन मोहन लाल बड़ौली,



विधायक देवेंद्र कादियान और मार्केट कमेटी के वाइस चेयरमैन योगेश कौशिक ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कमेटी प्रधान ने अतिथियों का स्वागत किया। मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि रामलीला जैसे धार्मिक आयोजन भारतीय संस्कृति और सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करते हैं। विधायक देवेंद्र कादियान ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन सत्य, त्याग, मर्यादा और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देता है। योगेश कौशिक ने कहा रामलीला जैसे आयोजन युवा पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का मंच संचालन शालू राय ने किया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय जैन, प्रदेश प्रवक्ता राजकुमार कटारिया सहित अन्य गणमान्य और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

असत्य पर सत्य की जीत का दिया संदेश

सोनीपत। साउथ पॉइंट स्कूल में दशहरा पर्व हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यार्थियों ने रामलीला के जीवंत मंचन, मनमोहक नृत्य और आकर्षक झांकियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं की सुंदर झलक प्रस्तुत की।



नन्हे विद्यार्थियों ने भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, हनुमान और रावण सहित विभिन्न पात्रों की भूमिका निभाकर दर्शकों का मन मोह लिया। रामलीला मंचन के दौरानरावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का दहन कर असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया गया। साउथ पॉइंट ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना की। एक्जीक्यूटिव चेयरमैन रोहित खत्री ने कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वाइस चेयरपर्सन वर्तिका खत्री ने सभी को दशहरा पर्व की शुभकामनाएं दी।

माता भीमेश्वरी मंदिर में लगा मेला



गोहाना। रविवार को नवरात्र की अष्टमी पर देवी नगर स्थित माता भीमेश्वरी मंदिर में मेले का आयोजन किया गया। तड़के चार बजे से ही श्रद्धालु मंदिर में पहुंचा करने पहुंचना शुरू हो गए। दिन चढ़ने के साथ ही श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती चली गई। श्रद्धालु भजन गाते हुए मंदिर पहुंचे। गोहाना के अलावा विभिन्न गांवों और दिल्ली से हजारों की संख्या में पहुंचे। श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन किए और पूजा अर्चना करके मन्नतें मांगी। मंदिर परिसर माता के जयकारों से गूंज उठा। शहर से कई श्रद्धालु घरों से पैदल मंदिर पहुंचे। हर वर्ष नवरात्र में देवी नगर स्थित माता भीमेश्वरी मंदिर मेला आयोजित किया जाता है। श्रद्धालुओं ने रविवार तड़के उठकर घरों में प्रसाद स्वरूप हलवा, पूरी, खीर व सब्जी तैयार की। माता भीमेश्वरी मंदिर शहर में गोहाना-जुलाना मार्ग पर है। मंदिर और मेले में श्रद्धालुओं को पहुंचने में परेशानी न हो इसके मद्देनजर पुलिस ने इस रूट पर भारी वाहनों के आवागमन पर रोक लगाई। पुलिस ने शहर में रेलवे फाटक से पहले और दूसरी तरफ मोर चौक के पास नाका लगाकर वाहनों को जींद और महम रोड की तरफ डायवर्ट किया।

गरबा-डांडिया उत्सव में दिखाई प्रतिभा



सोनीपत। हिंदू कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, सोनीपत में 17 अक्टूबर को गरबा एवं डांडिया उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कॉलेज की सांस्कृतिक समिति की ओर से आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पारंपरिक वेशभूषा में गरबा और डांडिया नृत्य प्रस्तुत कर भारतीय संस्कृति के प्रति अपनी रुचि दिखाई। रंग-बिरंगे परिधानों, संगीत और नृत्य से पूरा परिसर उत्सव के रंग में रंगा नजर आया। कार्यक्रम में हिंदू ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के निदेशक प्रो. (डॉ.) डी. पी. सिंह ने विद्यार्थियों की सहभागिता की सराहना करते हुए सांस्कृतिक गतिविधियों के महत्व को प्रोत्साहित किया।

उत्सव के दौरान विद्यार्थियों के मनोरंजन के लिए फ्रीज गरबा, रिदमिक डांडिया और पास द डांडिया जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। बेस्ट परफॉर्मर पुरस्कार लड़कों में बीटेक तृतीय वर्ष के हर्ष रोहिल्ला और लड़कियों में बीटेक द्वितीय वर्ष की खुशबू को मिला। बेस्ट एथनिक वियर पुरस्कार लड़कों में डिप्लोमा प्रथम वर्ष के स्वस्तिक और लड़कियों में बीसीए तृतीय वर्ष की इंशा ने जीता। खेल प्रतियोगिताओं में फ्रीज गरबा में बीसीए प्रथम वर्ष की हिमांशी, रिदमिक डांडिया में बीटेक प्रथम वर्ष के यश वर्मा और पास द डांडिया में बीटेक तृतीय वर्ष के जय प्रकाश विजेता रहे।

डॉ. अरविंद शर्मा ने रागनी गाकर बांधा समां

गोहाना। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा रविवार को गोहाना स्थित गजराज खेल अकादमी में आयोजित तीन दिवसीय पंडित विष्णु दत्त सांग समारोह में पहुंचे। इस दौरान उनका अलग ही अंदाज देखने को मिला। लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों के बीच जब कैबिनेट मंत्री ने स्वयं रागनी गानी शुरू की तो पूरा पंडाल तालियों की गडगड़ाहट से गूंज उठा। उनकी प्रस्तुति ने समारोह में मौजूद लोगों में उत्साह भर दिया। डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि हरियाणा की धरती लोक कला, संस्कृति और समृद्ध परंपराओं की पहचान रही है। सांग और रागनी केवल मनोरंजन के साधन नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता, संस्कारों और सामाजिक मूल्यों के संवाहक हैं। पंडित विष्णु दत्त जैसे लोक कलाकारों ने अपनी कला के माध्यम से हरियाणवी संस्कृति को नई पहचान दी। ऐसी महान विभूतियों की सांस्कृतिक विरासत को संजोकर रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और उसे नई पीढ़ी से जोड़ने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।



स्केटिंग चैंपियनशिप में पूर्ण मूर्ति बना विजेता

सोनीपत। पूर्ण मूर्ति इंटर स्कूल स्केटिंग चैंपियनशिप में मेजबान पूर्ण मूर्ति ग्लोबल स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में ओवरऑल विजेता बनने का गौरव हासिल किया। स्कूल के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और खेल कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कुल 27 पदक अपने नाम किए। इनमें 9 स्वर्ण, 9 रजत और 9 कांस्य पदक शामिल हैं। प्रतियोगिता में ग्रोवेल पब्लिक स्कूल की टीम ने भी शानदार प्रदर्शन किया। टीम ने 5 स्वर्ण, 6 रजत और 3 कांस्य पदक सहित कुल 14 पदक जीतकर दूसरा स्थान हासिल किया। वहीं, ऋषिकुल वर्ल्ड एकेडमी के खिलाड़ियों ने 2 स्वर्ण, 2 रजत और 1 कांस्य पदक सहित कुल 5 पदक जीतकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल के खिलाड़ियों ने भी बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुए 2 स्वर्ण पदक हासिल किए। समापन समारोह में पूर्ण मूर्ति विद्यापीठ के चेयरमैन डॉ. विजयपाल नैन, सचिव गौतम नैन, स्कूल की प्रधानाचार्या हिमानी दहिया और उपप्रधानाचार्य वरुण ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया।



पूर्व विधायक की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा

■ दीवान फार्म पर हुए कार्यक्रम में विभिन्न दलों के दिग्गजों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

पूर्व विधायक स्वर्गीय देवराज दिवान की पुण्यतिथि पर रविवार को दिल्ली-सोनीपत रोड स्थित अहमदपुर चौक के समीप 'दीवान फार्म' में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दलगत राजनीति से ऊपर उठकर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, समाजसेवियों, पार्षदों और गणमान्य नागरिकों ने स्व. देवराज दीवान के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में पहुंचे हरियाणा प्रदेश कांग्रेस पार्टी के प्रदेश प्रभारी संजय दत्त और हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने स्व. देवराज दीवान को याद करते हुए कहा कि स्व. देवराज दीवान आजीवन जनसेवा और समाज के दबे-कुचले वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित रहे। सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि स्व. देवराज दीवान ने हमेशा जनता के अधिकारों और क्षेत्र की खुशहाली के लिए आवाज उठाई। इस दौरान पूर्व सांसद धर्मपाल मलिक, पूर्व सांसद रमेश कौशिक, सोनीपत के पूर्व विधायक सुरेंद्र पवार तथा वरिष्ठ नेता माही राम ने भी स्व. दीवान के साथ बिताए पलों को याद किया और उन्हें सच्चा जनसेवक बताया। भाजपा के जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज एवं सोनीपत के मेयर राजीव जैन ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में आचार्य विपिन वशिष्ठ ने स्व. दीवान की आत्मिक शांति के लिए प्रार्थना की। आयोजन स्थल पर स्व. देवराज दीवान की धर्मपत्नी बिमला दीवान, सुपुत्र एवं कांग्रेस जिला अध्यक्ष (शहरी) कमल दीवान, पुत्रवधू मेघा दीवान, ललित दीवान, पुत्रवधू प्रियंका दीवान ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और आभार व्यक्त किया।



ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष ग्रामीण संजीव दहिया, जयवीर आंतिल, जय भगवान आंतिल, रवि परूथी, तरुण देवीदास, कांग्रेस उपाध्यक्ष प्रशांत शर्मा, उपाध्यक्ष अमनदीप पाराशर, संगठन महासचिव मुकेश पन्नालाल, ब्लॉक अध्यक्ष दीपक चावला, पार्षद अनुराग जैन, पार्षद संजय बडवासनी, पार्षद राजेश मलिक, जयपाल कदियान, रमेश बत्रा, लाजपत मुखी, देवेंद्र शर्मा, राजेश सेवली, पायल मलिक, जयवीर राठी, अंकित महता आदि मौजूद रहे।

दूसरी बार एशियन गेम्स में कांस्य जीतने वाले सुनील मलिक सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गन्नौर विधानसभा के गांव डबरपुर के पहलवान सुनील मलिक के 20वें एशियन गेम्स में 87 किलोग्राम ग्रीको रोमन कुश्ती वर्ग में लगातार दूसरी बार कांस्य पदक जीतने पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें विधायक देवेंद्र कादियान ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर सुनील मलिक को माला पहनाकर सम्मानित किया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विधायक कादियान ने कहा कि सुनील ने पांचवीं कक्षा में पढ़ाई के दौरान कुश्ती शुरू की थी। कड़ी मेहनत और लगन के दम पर उसने गांव, प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। इससे पहले 19वें एशियन गेम्स में कांस्य पदक जीतने पर भी सुनील को स्कूटी देकर सम्मानित किया गया था। इस अवसर पर मेहर सिंह अखाड़े के संचालक मोहित मलिक, कोच रणबीर ढाका, कोच रवि, कोच जयबीर ब्रह्मचारी, सरपंच शीला कुमार, जिला पार्षद सतीश गुलिया, अशोक, बंटी और उमेद सिंह सहित गणमान्य लोग मौजूद रहे।

■ विधायक देवेंद्र कादियान ने माला पहनाकर किया सम्मान, बोले- सुनील ने अपने दम पर देश का नाम किया रोशन



इनर व्हील क्लब ने शिव शक्ति स्कूल में लगाए 31 पौधे



सोनीपत। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के उद्देश्य से इनर व्हील क्लब, सोनीपत की ओर से शिव शक्ति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान क्लब के सदस्यों ने विद्यालय परिसर में 31 पौधे लगाए और विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण तथा प्रदूषण से बचाव के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में क्लब की पूर्व अध्यक्ष अनीता मदान का जन्मदिन भी हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर उनके जन्मदिन के उपलक्ष्य में विद्यालय परिसर में उनके नाम का पौधा रोपित किया गया। क्लब की अध्यक्ष डॉ. कमलेश मलिक ने विद्यालय की प्राचार्या भावना आंतिल का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में क्लब की वाइस प्रेसिडेंट सुषमा दहिया, कोषाध्यक्ष नीलम सहगल, आईएसओ सुखदा नागपाल सहित गीता कोहली, शांति सोलंकी, सुशीला कुमार, मोहिनी सचदेवा, अनीता विज और अंजू दहिया ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 8295154800, 9653530209, 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

कार्यक्रम रोडवेज सोनीपत डिपो परिसर मे शपथ समारोह

प्रवीन पुरखास सर्व कर्मचारी संघ सोनीपत के प्रधान व बिजेंद्र दहिया बने उपप्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

रोडवेज सोनीपत डिपो परिसर में रविवार को हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन संबंधित सर्व कर्मचारी संघ एवं ऑल इंडिया रोड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स फेडरेशन के बैनर तले हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन संबंधित सर्व कर्मचारी संघ की नवनिर्वाचित डिपो कमेटी की कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता डिपो प्रधान प्रवीन पुरखास और संचालन संजय कुमार ने किया। कार्यक्रम में हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन के राज्य के प्रधान नरेंद्र दिनोद, राज्य उपप्रधान जयकुमार दहिया, उप महासचिव पवन शर्मा, नवीन राणा, राज्य के किसान नेता कामरेड श्रद्धानंद सोलंकी, शीलकराम मालिक, सर्व कर्मचारी संघ की जिला कमेटी के प्रधान देशराज नैन, कोषाध्यक्ष राजीव खत्री, कुरुक्षेत्र डिपो से कोषाध्यक्ष प्रमोद मलिक, सर्व कर्मचारी संघ गन्नौर ब्लॉक प्रधान संदीप राणा ने शिरकत की।



सोनीपत। बस अड्डा परिसर में शपथ ग्रहण समारोह में संघ की नवनिर्वाचित डिपो कमेटी का स्वागत करते राज्य पदाधिकारी।

इन्हें भी मिली जिम्मेदारी

राज्य पदाधिकारियों ने डिपो कमेटी की कार्यकारिणी का चयन करते हुए प्रवीन पुरखास को प्रधान, बिजेंद्र दहिया को उप प्रधान, महेंद्र सैनी को सचिव, अमित मलिक कोषाध्यक्ष, नितिन नैन को सह सचिव, संजय कुमार को ऑडिटर नियुक्त किया। इनके अलावा कंवरभान को डिपो ऑफिस सचिव, प्रवीन कुमार को प्रैस सचिव, धर्मेंद्र सिहाग व जगत सिंह राणा को संगठन सचिव, वीरेंद्र कुमार को वरिष्ठ उपप्रधान, देवेंद्र मान मुख्य सलाहकार की जिम्मेदारी सौंपी गई। नवनिर्वाचित डिपो प्रधान प्रवीन पुरखास ने विश्वास दिलाया कि आने वाले समय में कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन लड़ाई लड़ती रहेगी।